श्री हनुमाल्लांगूलास्त्र स्तोत्रं

श्री हनुमाल्लांगूलास्त्र स्तोत्रं

हनुमन्नंजनीसूनो महाबलपराक्रम |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 1 ||

मर्कटाधिप मार्तांडमंडलग्रासकारक |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 2 ||

अक्षक्षपण पिंगाक्ष दितिजासुक्षयंकर |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 3 ||

रुद्रावतार संसारदुःखभारापहारक |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 4 ||

श्रीरामचरणांभोजमधुपायितमानस |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 5 ||

वालिप्रमथनक्लांतसुग्रीवोन्मोचनप्रभो |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 6 ||

सीताविरहवाराशिभग्न सीतेशतारक |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 7 ||

रक्षोराजप्रतापाग्निदह्यमानजगद्वन |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 8 ||

ग्रस्ताशेषजगत्स्वास्थ्य राक्षसांभोधिमंदर |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 9 ||

पुच्छगुच्छस्फुरद्वीर जगद्दग्धारिपत्तन |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 10 ||

जगन्मनोदुरुल्लंघ्यपारावारविलंघन |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 11 ||

स्मृतमात्रसमस्तेष्टपूरक प्रणतप्रिय |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 12 ||

रात्रिंचरतमोरात्रिकृंतनैकविकर्तन |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 13 ||

जानक्या जानकीजानेः प्रेमपात्र परंतप |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 14 ||

भीमादिकमहावीरवीरावेशावतारक |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 15 ||

वैदेहीविरहक्लांतरामरोषैकविग्रह |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 16 ||

वज्रांगनखदंष्ट्रेश वज्रिवज्रावगुंठन |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 17 ||

अखर्वगर्वगंधर्वपर्वतोद्भेदनस्वर |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 18 ||

लक्ष्मणप्राणसंत्राण त्राततीक्ष्णकरान्वय |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 19 ||

रामादिविप्रयोगार्त भरताद्यार्तिनाशन |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 20 ||

द्रोणाचलसमुत्क्षेपसमुत्क्षिप्तारिवैभव |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 21 ||

सीताशीर्वादसंपन्न समस्तावयवाक्षत |
लोलल्लांगूलपातेन ममारातीन्निपातय || 22 ||

इत्येवमश्वत्थतलोपविष्टः
शत्रुंजयं नाम पठेत्स्वयं यः |
स शीघ्रमेवास्तसमस्तशत्रुः
प्रमोदते मारूतजप्रसादात् || 23 ||

इति श्री हनुमाल्लांगूलास्त्र स्तोत्रं |